

## मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे

मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

चाहे कोई एतबार न करे - 2

मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

1 श्यमा असां विच कमिय बथेरियां, चाहे चंगी हाँ मंदी हाँ मैं तेरी हाँ -2

जिथे किरपा उथे होवन सहाई, चाहे कोई एतबार न करे -2

मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे -2

2 एतां राम कृष्ण मुरार जी, कलयुग विच लिया अवतार जी - 2

एतां दुखियां दे इक राम राही, चाहे कोई एतबार न करे -2

मेरे सोहने दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

3 प्रेमा भक्ति दा रास्ता दिखान्दे, करके किरपा कोल बुलान्वादे - 2

बेकदरां ने कदर न पाई, चाहे कोई एतबार न करे - 2

मेरे दाते दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

4 लोकी कहंदे ने दिलं दे कठोर जी, दासी कहन्दी है ऐदे जया न होर जी - 2

जेहदा एड्डी नजर तो गिर जावे, ओहनू ते कोई प्यार न करे - 2

मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

चाहे कोई एतबार न करे - 2

मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/643/title/mere-satguru-da-roop-ilahi-chahe-koi-etbar-na-kare>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |